हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 5 जनवरी 2026

12 कोर्ट के आदेश के खिलाफ सड़कों पर उतरे गौरक्षक

12 वेनेजुएला पर हमले के विरोध में ट्रंप का फूंका पुतला

खबर संक्षेप

भिवानी। स्कूल में बच्चों को नशे के खिलाफ जागरूक करते पुलिस कर्मचारी।

एनएसएस शिविर में नशे के खिलाफ किया जागरूक

बाढ़ड़ा। गांव हडौदी स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्या विजेता फौगाट की अध्यक्षता में लगाए एनएसएस शिविर के चौथे दिन बतौर मुख्यतिथि सदर थाना दादरी एसएचओ सतबीर सिंह ने शिरकत की। उन्होंने राष्ट्र निर्माण और नशामुक्त समाज बनाने में योगदान देने की शपथ सभी को दिलवाई।

उन्होंने कहा कि युवा देश की रीड है, उन्हें नशे जैसी बुराई से दूर रहकर स्वस्थ राष्ट्र निर्माण में सहयोग देना चाहिए। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम को अपना मूलमंत्र बनाना चाहिए।

भिवानी। बीके स्कूल में स्वच्छता जागरूकता रैली निकालते स्वयंसेवक।

बीके स्कूल में स्वच्छता अभियान चलाया

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा स्थित बीके वमा विद्यालय में जिला स्तरीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर के चौथे दिन एनएसएस प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। स्वयंसेवकों ने अपने आसपास साफ-सफाई रखने का संदेश दिया। विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने कहा कि इस गतिविधि के माध्यम से स्वयंसेवकों में परस्पर सहयोग, अनुशासन, आत्मविश्वास व भाईचारे के गुण विकसित किए जा सकते हैं।

स्वयंसेवकों ने सामाजिक सरोकारों का संकल्प लिया

भिवानी। गांव गोलपुरा स्थित राजकीय वमा विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के 5वें दिन भी गतिविधियों की धूम रही। विद्यालय के प्राचार्य विजय सिंह के मार्गदर्शन और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरेंद्र पुनिया के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने न केवल सामाजिक सरोकारों का संकल्प लिया, बल्कि विभिन्न जीवन कौशलों के बारे में भी विस्तार से जाना। शिविर के 5वें दिन की शुरुआत अनुशासित जीवन की नींव के साथ हुई।

शिक्षण संस्थानों को पौधे वितरित करेगा फाउंडेशन

बाढ़ड़ा। पर्यावरण संरक्षण, हरियाली विस्तार और भावी पीढ़ी को प्रकृति से जोडऩे के उद्देश्य से राह ग्रुप फाउंडेशन द्वारा जिले में पौधें वितरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान 5 से 20 जनवरी तक संचालित होगा, जिसके अंतर्गत जिले के 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों, स्कूलों, पार्कों, मंदिरों तथा सरकारी कार्यालयों में मौसमी फूलदार एवं औषधीय पौधें वितरित किए जाएंगे। अभियान संस्था द्वारा प्रदेश में 20 लाख से अधिक फूलदार पौधें निःशुल्क वितरित करने की कड़ी का दूसरा चरण है।

सच्चा गुरु ही भवसागर से उतार सकता है पार

भिवानी। आनंद परमान्त सत्संग धाम निगाणा आश्रम में पूर्णिमा पर सत्संग व भंडारे का आयोजन किया। सतगुरू बाबू साहेब ने गुरू महिमा का विस्तार से संगत को बताया और समझाया कि गुरू हमारे अंग-संग है। उन्होंने कहा कि भक्ति मार्ग को अपनाकर उस रास्ते पर चलकर जीव अपना कल्याण करें और इस भवसागर से छुटकारा पाने के लिए हमें सच्चे सतगुरू की शरण लेनी चाहिए, ताकि इस 84 लाख योनियों में दोबारा न आना पड़े। गायकों ने अपने गुरूओं की बाणी सुनाकर संगत को भाव विभोर किया।

सार्वजनिक कार्यों के लिए पैसों की कमी नहीं : विधायक सर्राफ

किसी भी इलाके में नहीं रहेगी कोई गली कच्ची : भवानी प्रताप

खुले दरबार में गूंजा अतिक्रमण मुद्दा गली-सीवरेज दुरुस्त करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

नगर परिषद के खुले दरबार में वार्ड संख्या नौ में गलियों में अतिक्रमण का मुद्दा हावी रहा। लोगों ने नप के खुले दरबार में गलियों में बनाए चबूतरों की वजह से रास्ते तंग होने की शिकायत की। इनके अलावा सीवरेज सिस्टम को दुरुस्त करने, सफाई व्यवस्था तथा दूषित पानी की समस्या से निजात दिलाने की मांग की। सुबह विधायक घनश्यामदास सर्राफ, नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह अपने साथ अधिकारियों को लेकर वार्ड संख्या नौ में पहुंचे।

खुले दरबार कार्यक्रम में वार्ड पार्षद प्रतिनिधि कृष्ण शर्मा व लोगों ने विधायक सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप का स्वागत किया। इस दौरान वार्ड के लोगों ने बताया कि अधिकांश कॉलोनियों की गलियों में अतिक्रमण बढ़ता जा रहा हैं। लोगों ने चबूतरे बना लिए, जिस वजह से लोगों को आने जाने में परेशानी हो रही हैं। नप अभियान चलाकर अतिक्रमण हटवाए, ताकि रास्तों की चौड़ाई बढ़ सकें। कुछ लोगों ने कच्ची गलियों को पक्का करवाने की मांग रखी। इनके अलावा छोटी सीवरेज लाइन को बड़ी लाइन में बदलने की मांग की, ताकि घरों से निकलने वाला गंदा पानी से ढंग से डिस्पोजल तक पहुंच सके। वहीं क्षेत्र में पीने के पानी की लाइन, सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवाने की मांग की। विधायक सर्राफ ने पब्लिक हेल्थ के अधिकारियों तथा नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने नप अधिकारियों को तत्काल समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए तथा वार्डवासियो से सौंदर्यीकरण के लिए और सेल्फी प्वाइंट बनाने के सुझाव मांगे। इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि कृष्ण शर्मा, राजेंद्र कुमार प्रिंसिपल, वीरेंद्र परमार, राजपाल सिंह, तहसीलदार नरेश कुमार, चंद्रप्रकाश, प्रमोद तंवर, अत्तरसिंह, आदि मौजूद रहे।

भिवानी। खुले दरबार में जनसमस्याएं सुनते विधायक घनश्यामदास सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह।

जल्द करवाया जाएगा समस्याओं का समाधान

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि वार्ड नौ में खुला दरबार लगाया, जिसमें ज्यादातर लोगों ने गलियों में अतिक्रमण होने की शिकायत की। उन्होंने कहा कि लोगों पर जल्द ही अतिक्रमण हटवाया जाएगा, ताकि गालियां तंग न रहे और आवागमन सुचारू रुप से हो सकें। इसी तरह सफाई, कच्ची गलियों को पक्का करवाने की मांग की गई, जिस पर उन्होंने लोगों से कच्ची गलियों की जानकारी देने की बात कही, जिससे छह महीनों में उन कच्ची गलियों का टेंडर लगाकर पक्का करवाने का आश्वासन दिया, जिससे शहर के विकास में कोई कमी नहीं रहेगी।

विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी

विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने बताया कि नप के खुले दरबार के सकारात्मक परिणाम आ रहे है। इन दरबारों से ये जानकारी मिल रही है कि कितनी योजनाओं पर काम हो चुका और कितनी योजनाओं पर कार्य चल रहा हैं। साथ में लोगों की समस्याओं की भी जानकारी मिल रही। उनके सामने जैसी समस्याएं आ रही हैं, उनसे बातचीत करके समस्याओं का समाधान करवाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए सरकारी खजाने लबालब है, रुपये की कोई कमी नहीं हैं, बशर्ते वे सार्वजनिक कार्य लेकर आए।

नेशनल टेनिस चैंपियनशिप में यौरव ने जीता गोल्ड मेडल

- सब-जूनियर नेशनल टेनिस चैंपियनशिप में नाथुवास के यौरव का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मिनी क्यूबा उप खेल नगरी के नाम एक और सुनहरा तमगा जुड़ गया है। हाल ही में भुवनेश्वर में संपन्न हुई 19वीं सब-जूनियर नेशनल टेनिस चैंपियनशिप में भिवानी के गांव नाथुवास के युवा खिलाड़ी यौरव सहरावत ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक हासिल किया। टेनिस प्रतियोगिता 27 से 31 दिसंबर तक भुवनेश्वर ओडिशा में हुई, जिसमें यौरव ने शानदार खेल प्रदर्शन किया। इस जीत से न केवल उनके गांव में, बल्कि पूरी खेल नगरी में खुशी है। यौरव की उपलब्धि पर उनके कोच विकास ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि यौरव शुरू से ही खेल के प्रति समर्पित रहे हैं।

कोच विकास ने कहा कि यौरव बेहद होनहार और प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उसने कड़ी मेहनत और अनुशासन के दम पर अनेक राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में जीत हासिल की है। यह गोल्ड मेडल उसकी कड़ी तपस्या का परिणाम है और उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन करेगा। यौरव के पिता सतीश कुमार और माता बाला अपने बेटे की ऐतिहासिक जीत से गदगद हैं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि यौरव आगे बढ़ता रहे और एक दिन ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करें। यौरव के गोल्ड जीतने की खबर गांव नाथुवास पहुंचे ही ग्रामीणों और खेलप्रेमियों ने खुशी ताई। बता दें कि बीते वर्ष लुधियाना में हुई 18वीं सब-जूनियर नेशनल टेनिस चैंपियनशिप में भी यौरव ने स्वर्ण पदक हासिल किया था तथा इस वर्ष इसी चैंपियनशिप में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है।

भिवानी। सब जूनियर नेशनल टेनिस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले यौरव सहरावत। फोटो : हरिभूमि

दुर्गा स्पोर्ट्स अकादमी में आयोजन

राज्य स्तरीय मुएथाई चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

चौथी हरियाणा सीनियर महिला व पुरुष राज्य मुएथाई चैम्पियनशिप का आयोजन दुर्गा स्पोर्ट्स अकादमी में हुआ, जिसमें मुएथाई खेल संघ-हरियाणा के चेयरमैन कमल सैनी ने बतौर मुख्यतिथि और श्रीसनातन धर्म जगदीश कन्या स्कूल की प्राचार्या संगीता सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

मुएथाई स्पोर्ट्स एसोसिएशन हरियाणा के प्रधान शशिप्रताप सिंह उर्फ राहुल राणा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि ने पहले मुकाबले में खिलाड़ियों का हाथ मिलाकर कर शुभारम्भ किया। महासचिव सोमबीर वशिष्ठ ने बताया कि प्रतियोगिता में 17 जिलों से 115 महिला व पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। मुख्यतिथि कमल सैनी ने कहा कि मुएथाई खेल आज पूरे देश मे जिला से लेकर तहसील और ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेला जाता है। आज देश के सभी 29 राज्यों 9 केंद्र शासित प्रदेशों में मुएथाई खेल की टीमें बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ी हर वर्ष मेडल जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

समापन समारोह में प्राचार्य संगीता सैनी विशिष्ट अतिथि, मंजीत दुग्गल रोहतक और सज्जन कंवर ने खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मुकेश तंवर, दीपक भाकर, कर्मवीर कौशिक, राकेश फरीदाबाद, विनोद हलवाई, सन्नी पहलवान झज्जर, गौरव रोहतक, अंतरराष्ट्रीय रेफरी दीपक पारचे अम्बाला व जोगेन्द्र राठोड़ पलवल, प्रदीप पहलवान कायला,मुनीम कैथल, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सूरज तंवर, विशाल दीक्षित, मुकेश दुग्गल महम, राष्ट्रीय खिलाड़ी श्रद्धा ग्रेवाल बामला व प्रणव तिवारी, शुभम शर्मा जाटूलुहारी आदि खेलप्रेमी मौजूद रहे।

खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों का स्वागत एवं सम्मान किया

चेन्नई में हरियाणा लगोरी टीम का परचम कांस्य पदक जीत बढ़ाया प्रदेश का गौरव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

लागोरी फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में चेन्नई में हुई 11वीं सीनियर स्टेट लगोरी चैंपियनशिप में हरियाणा लगोरी मेन टीम ने शानदार प्रदर्शन कर तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता।

इस उपलब्धि से पूरे हरियाणा में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस ऐतिहासिक सफलता में चरखी दादरी जिले के तीन होनहार खिलाड़ी आशीष कारीतोखा व हिमांशु कारीतोखा एवं अरविन्द ने अहम भूमिका निभाई।

इन खिलाडिय़ों ने अपने बेहतरीन खेल से टीम को पदक दिलाया, बल्कि अपने गांव, जिले और प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। खिलाडिय़ों की उपलब्धि पर बाढ़ड़ा के क्रांतिकारी चौक पर महाशय मंशाराम व राजा महताब सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात सामाजिक संगठनों एवं खेलप्रेमियों ने खिलाडिय़ों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस मौके पर कुलदीप सिंह जांगड़ा, रामपाल कारी, बलबीर सिंह, प्रीतम जांगड़ा, सुनील जांगड़ा, सत्यबीर सिंह, अशोक जांगड़ा, रवि सहरावत, सोमबीर, मनोज, मुकेश, शिवकुमार पंच, रजत, बंटी, मिंटू व राजेश आदि मौजूद रहे।

भिवानी। क्रांतिकारी चौक पर खिलाड़ियों का स्वागत करते खेलप्रेमी।

भक्ति के माध्यम से ज्ञान एवं वैराग्य को किया जा सकता है पुनः जागृतः शास्त्री

कलश यात्रा से ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ किया, प्रथम दिन गूंजा भक्ति का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लोहड़ पीर मंदिर के समीप रविवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिन कथाव्यास अनिता शास्त्री ने श्रीमद्भागवत महात्म्य का वर्णन किया और श्रद्धालुओं को भक्ति मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कथा के शुभारंभ से पूर्व श्रीश्याम मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली।

कलशयात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल तक पहुंची, जिसमें बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने सिर पर मंगल कलश धारण मंगलगान करती हुई चली। इस आयोजन को सफल बनाने में अनीता, ज्योति, मीनू, रेखा, नेहा, राधा, दुलारी, आशा, मुकेश, बजरंग व अनिल का विशेष सहयोग रहा। कथावाचिका अनिता शास्त्री ने प्रथम दिन की कथा के मुख्य प्रसंगों में नारद-भक्ति संवाद का विशेष वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कलयुग के प्रभाव से भक्ति देवी दुःखी थी और उनके दो पुत्र ज्ञान और वैराग्य वृद्ध अवस्था में अचेत हो गए थे। केवल भक्ति के माध्यम से ही ज्ञान और वैराग्य को पुनः जागृत किया जा सकता है। सांसारिक दुःखों से मुक्ति का सरलतम मार्ग भगवान की अनन्य भक्ति ही है तथा कलयुग में नाम संकीर्तन और भागवत श्रवण से ही आत्मा का कल्याण संभव है। कथा के दौरान गोकर्ण उपाख्यान के माध्यम से सामाजिक और नैतिक मूल्यों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मनुष्य को अपने परिवार और समाज में एक-दूसरे की मदद सत्य के आधार पर करनी चाहिए। धुंधकारी और गोकर्ण की कथा के जरिए ये संदेश दिया कि कुसंगति पतन का कारण बनती है, जबकि सत्संग और सत्य का मार्ग प्रेत योनि जैसी दुर्गति से भी मुक्ति दिला सकता है।

भिवानी। नगर में निकाली गई शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

विधायक कपूर सिंह ने 62 लाख की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

रोहनात गांव में विकास कार्यों को मिली नई रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

गांव रोहनात में शुक्रवार को विकास कार्यों को नई गति मिली, जब कुल 62 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित विभिन्न परियोजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया, जिनमें 20 लाख रुपये से बनने वाला कबीर भवन तथा 42 लाख रुपये की लागत से गांव की दो प्रमुख गलियों के निर्माण कार्य शामिल हैं। शिलान्यास कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, पंचायत प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि कबीर भवन के निर्माण से गांव को सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन के लिए स्थायी मंच मिलेगा। वहीं गलियों के निर्माण से आवागमन सुगम होगा और बरसाती मौसम में जलभराव व कीचड़ की समस्या से राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने इन कार्यों को लंबे समय से चली आ रही जरूरत बताते हुए इसे गांव के लिए अहम कदम करार दिया। गांवों का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि मजबूत आधारभूत ढांचा ही ग्रामीण क्षेत्र की प्रगति की नींव होता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और सामुदायिक सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक ने ग्रामवासियों को इन विकास कार्यों की सौगात मिलने पर बधाई दी।

भिवानी। रोहनात गांव में विकास कार्यों का शिलान्यास करते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

जनसभा भाजपा सरकार ने प्रदेश में खुशहाली का दौर लाने का काम किया: मंत्री गंगवा

बवानीखेड़ा में प्रजापति सामुदायिक भवन के द्वार का उद्घाटन

- प्रजापत समाज बहुत ही मेहनती एवं ईमानदार कौम : रणबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

प्रदेश के जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रजापत समाज मेहनती एवं ईमानदार कौम है, यह समाज जन्म से ही हुनरमंद है। समाज वहीं आगे बढ़ता है तो मेहनत करता है। मुख्यमत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हरवर्ग के लिए कल्याणकारी नीतियां लागू कर रही है। सरकार द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। परिणामस्वरूप आज बिना पर्ची और बिना खर्ची के बच्चों को नौकरियों में उनका हक मिल रहा है, जिसमें अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के साथ-साथ हर वर्ग के होनहार बच्चे शामिल हैं। मंत्री गंगवा रविवार को बवानीखेड़ा के प्रजापति सामुदायिक भवन के नवनिर्मित भव्य द्वार का उद्घाटन पर आयोजित जनसभा को बतौर मुख्यतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बवानीखेड़ा हलका विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने की। भाजपा सरकार ने हरियाणा प्रदेश में खुशहाली का दौर लाने का काम किया है।

भिवानी। प्रजापति सामुदायिक भवन के नवनिर्मित द्वार का उद्घाटन करते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

विधायक कपूर सिंह ने कहा कि आज जो भी हम पुरानी चीजें देखते हैं, वे सब प्रजापत समाज की देन हैं। प्रजापत समाज हमारी प्राचीन संस्कृति और सभ्यता को जीवंत रख रहा है। उन्होंने कहा कि कस्बे में गुरु दक्ष सामुदायिक भवन का निर्माण करवाना समाज की मेहनत का प्रमाण है। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री, भिवानी नप के पूर्व वाईस चेयरमैन मामनचंद प्रजापत व प्रजापत समाज प्रधान रामधन ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एसडीएम महेश कुमार, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसई सुनील रंगा, पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, मुख्य ठ्ठार निर्माता ठेकेदार धर्मबीर, प्रदीप प्रजापत, रमेश टांक, जयभगवान ठेकेदार, एडवोकेट शौकीन, सूर्यप्रताप, विनीत तंवर, जयसिंह, ओमकरण, पदमसिंह, संजय चौहान व आशीष आदि मौजूद रहे।

भिवानी। एनएसएस शिविर में अनुशासन का पाठ पढ़ते स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

स्वयंसेवकों ने जाना योग एवं खेल का महत्व

भिवानी। गांव दुल्हेड़ी स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस शिविर छठे दिन में प्रवेश कर गया। विद्यालय के प्राचार्य सतीश कुमार सांगवान के कुशल मार्गदर्शन और एनएसएस अधिकारी जयवीर सोलंकी के नेतृत्व में शिविर के माध्यम से स्वयंसेवक न केवल अनुशासन सीख रहे हैं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ रहे हैं। रविवार को शिविर के छठे दिन की शुरुआत सामूहिक एनएसएस गान के साथ हुई, जिससे पूरा वातावरण ऊर्जा और देशभक्ति के भाव से भर गया।

इसके उपरांत योग सत्र में स्वयंसेवकों के जीवन में योग के महत्व को जाना। योग सत्र के बाद स्वयंसेवकों को गांव के खेल स्टेडियम का भ्रमण करवाया। इस दौरान विद्यार्थियों को स्टेडियम में उपलब्ध खेल सुविधाओं और विभिन्न खेलों की तकनीकी बारीकियों से अवगत करवाया।

साहित्य

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।
- मुंशी प्रेमचंद

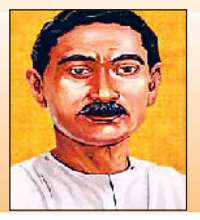

पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया।

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना।

कहानी
डॉ. मधुकांत

कुंवारे नेता जिंदाबाद

दिसंबर की सर्द हवाएं जब देश के उत्तरी हिस्सों में ठिठुरन पैदा कर रही थीं, तब गोवा की सुनहरी रेत और लहरों का शोर चार दोस्तों के स्वागत के लिए तैयार था। अद्विक, अमन, विधान और अयांश—ये चार नाम नहीं, बल्कि एक अटूट दोस्ती की मिसाल थे। हर साल की तरह इस बार भी नए साल का जश्न मनाने के लिए उन्होंने गोवा के एक आलीशान पांच सितारा होटल को अपना ठिकाना बनाया। यह होटल उनकी सफलता और उनकी मेहनत की कमाई का गवाह था। होटल में दो 'कनेक्टिंग रूम' बुक किए गए थे। इन कमरों की खासियत यह थी कि इनके बीच का दरवाजा खोलते ही ये एक विशाल सुइट में तब्दील हो जाते थे। चारों दोस्तों ने कमरे में घुसते ही सबसे पहला काम उस दरवाजे को खोलने का किया। यह दरवाजा केवल लकड़ी का नहीं था, बल्कि उनके बीच के खुलेपन और पारदर्शिता का प्रतीक था।

30 से 32 वर्ष की उम्र के ये चारों युवा न केवल शारीरिक रूप से फिट थे, बल्कि अपने करियर में भी ऊंचाइयों को छू रहे थे। उनकी एक और समानता यह थी कि वे सभी अभी तक 'सिंगल' थे और अपनी इस आजादी का भरपूर आनंद ले रहे थे। अद्विक, अमन और विधान कमरे में पहुँच चुके थे और सामान व्यवस्थित कर रहे थे। अद्विक ने घड़ी की ओर देखते हुए कहा, 'अरे भाई, हम तीनों तो समय पर आ गए, लेकिन अयांश का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। दिल्ली में बैठकर बड़ी-बड़ी हांक रहा था कि इस बार सबसे पहले पहुँचकर तुम लोगों का स्वागत करूँगा।'

अमन ने खिड़की से समुद्र की लहरों को निहारते हुए मुस्कुराकर कहा, 'अरे अद्विक, तू अयांश को नहीं जानता? वह वादाखिलाफी नहीं करता। वह असल में हम सबसे पहले पहुँचा है। रिसेप्शन पर पता चला कि वह सीधे बीच पर लहरों से टकराने चला गया है। शाम ढल रही है, अब उसके आने का ही वक्त है।'

अभी बात चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा धड़धड़ाते हुए खुला। कंधे पर गिटार टांगे और चेहरे पर सूरज की तपिश लिए अयांश ने प्रवेश किया।

'मैं आ गया दोस्तों! सुना है कोई मुझे याद कर रहा था?' अयांश की आवाज में वही पुरानी खनक थी। चारों दोस्त एक-दूसरे के गले मिले। खुशी का आलम यह था कि अयांश ने वहीं थिरकना शुरू कर दिया। उसकी यह पुरानी आदत थी- जब भी वह भावुक या खुश होता, उसके पैर अपने आप थिरकने लगते। देखते ही देखते बाकी तीनों भी उसके साथ नाचने लगे। होटल का वह कमरा उनकी हंसी और ठहाकों से गूंज उठा। कुछ देर की मस्ती के बाद अयांश ने अद्विक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'अद्विक भाई, तू तो हमारा 'इवेंट मैनेजर' है। साल खत्म होने में कुछ ही घंटे बचे हैं और अभी तक ग्लास खाली हैं? तैयारी कहाँ तक पहुँची?'

अद्विक ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ बगल वाले कमरे की ओर इशारा किया, 'सब इंतजाम पक्का है मेरे दोस्त। उस कमरे में चल, वहाँ जन्नत सजी है।' चारों दोस्त बगल वाले कमरे में पहुँचे, जहाँ एक गोल मेज पर दुनिया भर की बेहतरीन ड्रिंक्स, स्नैक्स और डिनर का प्रबंध था। अद्विक ने बड़ी कुशलता से पैग बनाने शुरू किए। पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया। अयांश की 'शहीद' होने वाली कहानी बातों का सिलसिला निकला तो अमन ने अयांश की ओर देखते हुए पूछा, 'अरे अयांश, पिछले हफ्ते तू फोन पर बहुत परेशान था। कह रहा था कि घर में 'इमरजेंसी' है। फिर तूने बताया नहीं कि उस शादी वाले मामले का क्या हुआ?'

अयांश ने एक लंबी और राहत भरी सांस ली। 'भाई, मैं तो मौत के मुँह से वापस आया हूँ। तुम्हें तो पता है मेरे पापा मिलिट्री से रिटायर हुए हैं। उनके लिए अनुशासन और आदेश ही सब कुछ है। पिछले दो साल से उन्होंने मेरी शादी को अपना एकमात्र मिशन बना लिया था। इस बार मम्मी ने फोन किया कि उनकी तबीयत बहुत खराब है, मुझे तुरंत घर आना होगा। मैं घबराकर दिल्ली से गाँव पहुँचा, तो देखा मम्मी बिल्कुल भली-चंगी रसोई में पकौड़े तल रही हैं।' अयांश ने आगे बताया, 'तभी घर की घंटी बजी और पापा के जिगरी दोस्त अपनी बेटी के साथ प्रकट हुए। सब कुछ पहले से फिक्स था। मुझे और उस लड़की को बात करने के लिए ऊपर के कमरे में भेज दिया गया। मैं पसीने-पसीने हो रहा था कि अब मना कैसे करूँ? तभी उस लड़की ने ही मोर्चा संभाल लिया। उसने कमरे में घुसते ही कहा- 'देखिए, मेरा एक बॉयफ्रेंड है और मैं उसी से शादी करूँगी। मेरे पापा जबरदस्ती यहाँ लाए हैं। आप मना कर दीजिए।' मुझे लगा जैसे भगवान खुद मदद करने आए हैं। मैंने भी उससे कह दिया कि मैं भी शादी नहीं करना चाहता, पर मेरे पापा 'हिटलर' हैं। अगर मैं सादगी से मना करूँगा, तो वह मेरी खाल खींच लेंगे।'

फिर हमने एक योजना बनाई। अयांश खिलखिलाकर बोला। 'जैसे ही मम्मी चाय लेकर कमरे में आईं, हमने जानबूझकर चिल्लाना शुरू कर दिया। मैंने कहा—'मम्मी, यह लड़की तो बहुत बदतमीज है, इसे बड़ों से बात करने की तमीज नहीं है।' लड़की भी मंझी हुई कलाकार निकली, उसने तुरंत चिल्लाकर कहा कि मैंने उसकी माँ के बारे में अपशब्द कहे हैं। नीचे हॉल में ऐसा हंगामा हुआ कि रिश्ता जुड़ने से पहले ही जलकर राख हो गया। वे लोग बिना चाय पिए भाग गए और मैं अपनी आजादी लेकर वापस आ गया।' अयांश का तर्क स्पष्ट था- 'अभी मेरा करियर है। 32 साल की उम्र में मैं प्राइवेट सेक्टर में 12-12 घंटे काम करता हूँ, तब जाकर प्रमोशन मिलता है। शादी के बाद मैं न ऑफिस को समय दे पाऊँगा और न ही खुद को। इसलिए, 'नो शादी, नो बच्चे'।

"और शादी का सुख ?" अद्विक ने नया प्रसंग छेड़ दिया।

"शादी का सुख लेने की बात आपने खूब कहीं। किसी भी लाइक माइंडेड लड़की के साथ दोस्ती करो। जब तक विचार मिले उनके साथ रिलेशन में रहो। मन उब जाए, तब साथ छोड़कर अलग-अलग हो जाओ। खाओ पियो मौज उड़ाओ, न किसी को अपनाने का झंझट, न तलाक देने की परेशानी..।" विधान, जो अब तक शांत बैठा था, बोला, 'अयांश, तूने तो ड्रामा करके खुद को बचा लिया, लेकिन मेरे पड़ोस में रामू आंटी के बेटे का हाल देखो तो रूह कांप जाती है। उसने दहेज और रसूख के लालच में एक बहुत अमीर लड़की से शादी की। आज स्थिति यह है कि उस लड़की ने अपनी अकड़ में बेचारी रामू आंटी को ओल्ड एज होम भेज दिया है। वह लड़का अपने ही घर में एक नौकर की तरह रहता है। उसकी कोई अपनी इच्छा नहीं बची। जब मैं उसे देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि अकेले रहकर चैन की नींद सोना किसी भी आलीशान महल की गुलामी से बेहतर है।'

अंत में सबकी निगाहें चौथे दोस्त पर टिकीं। वह शांत, गंभीर और हमेशा खादी के कुर्ते में रहने वाला व्यक्ति था, जिसे सब प्यार से 'नेताजी' बुलाते थे। अद्विक ने पूछा, 'नेताजी, आप तो समाजसेवा की बातें करते हैं। आप क्यों इस गृहस्थी के झमेले से दूर रहना चाहते हैं?' नेताजी ने अपने चश्मे को ठीक किया और बहुत गंभीरता से कहा, 'दोस्तों, मेरा लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। राजनीति की बिसात पर कुंवारा होना एक बहुत बड़ी ताकत है। इसके पीछे मेरे अपने ठोस तर्क हैं।' उन्होंने उंगलियों पर गिनवाते हुए कहा 1. समय की प्रचुरताः एक शादीशुदा नेता हमेशा घर और जनता के बीच बंटा रहता है। मुझे न घर की चिंता करनी है, न बच्चों के स्कूल की। मेरा 24 घंटा जनता का है।

2. ईमानदारी की छविः जनता उस नेता पर ज्यादा भरोसा करती है जिसके आगे-पीछे कोई न हो। लोग सोचते हैं कि यह किसके लिए भ्रष्टाचार करेगा? इसका तो कोई वारिस ही नहीं है।

3. विरासत का मोह नहींः हमने देखा है कि बड़े-बड़े नेताओं के बिगड़ैल बेटे ही अपने पिता की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। परिवारवाद की जड़ ही परिवार है। जब परिवार ही नहीं होगा, तो मोह कहाँ से आएगा? भारत के इतिहास में भी देखो, कई बड़े मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कुंवारे रहे हैं और उनकी छवि बेदाग रही है। नेताजी की बातों में एक अलग ही गहराई थी। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, 'मैंने तय किया है कि मेरा जीवन किसी एक स्त्री या बच्चे के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर उस बच्चे के लिए होगा जिसे मेरी जरूरत है। इसलिए-नो शादी, नो बच्चे, बस सेवा!

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना। संगीत तेज हुआ, आतिशबाज़ी से आसमान रंगीन हो गया और इसी के साथ नए साल का आगाज हुआ। वे चारों दोस्त, जो समाज की नजर में शायद 'अधूरे' थे, अपनी नजरों में पूरी तरह 'मुकम्मल' महसूस कर रहे थे।

कविता
सुधीर ढांडा कौल

डंडे की मार

जानवरों से मुझे लगाव बहुत है,
उन्हें पालने का चाव बहुत है।

एक साथ बिल्ली बंदर कुत्ते को पाला,
सफ़ेद कुत्ता, भूरा बंदर, बिल्ली का रंग था काला।

थी तीनों की गजब की यारी,
बिल्ली कुत्ते खेलते,बंदर करता सवारी।

एक ही कटोरे में तीनों खाते थे,
एक दूसरे से लिपटकर सोते थे।

बंदर को मै गाड़ी पर ले जाता था,
कुत्ता बिल्ली के पास घर पर रहता था।

अपने हाथों से खाना उन्हें खिलाता था,
दूध कटोरे में खूब उन्हें पिलाता था।

एक दिन मेरी माँ ने गुस्से में
बिल्ली को डंडा मार दिया

और उस प्यारे कुत्ते को भी घर
से बाहर निकाल दिया।

डंडे से बिल्ली की टाँग टूट गई,
बिल्ली का दर्द देख माँ रूठ गई।

मां ने मरहम बनाई और बिल्ली
की टाँग पर लगाई,

बहुत दिनों बाद बिल्ली बेचारी
थोड़ा थोड़ा चल पाई।

बिल्ली घर से दौड़ गई,
कुत्ते की हो मौत गई,

बंदर को मैंने छोड़ दिया,
जानवरों से नाता तोड़ दिया।

सुधीर टूट गई तीनों की यारी, ये
थी बातें बचपन की सारी।

इसमें कुछ भी झूठ नहीं है,मेरे
पास फोटो जैसा सबूत नहीं है।

कविता
मनोज वशिष्ठ

विश्व वीर विवेकानंद

उठा शिखर से घोष एक, जो सागर पार सुनाया था,
सोए भारत की अंतस को, जिसने आन जगाया था।
गेरुआ वसन, ललाट पे तेज, आँखों में करुणा की धार,
वह संन्यासी नहीं मात्र, था भारत का ही अवतार।

शिकागो की उस सभा बीच, जब गूँजा 'भ्राता-भगिनी' स्वर,
स्तब्ध रह गया विश्व सकल, झुक गया गर्व से मस्तक पर।
वेदांत की पावन वाणी से, जग का संशय दूर किया,
पश्चिम की भौतिक चकाचौंध में, अध्यात्म का नूर दिया।

कहा उन्होंने— उठो! जागो! मत रुको राह के रोड़ों से,
मंजिल तुमको ही चुननी है, संघर्षों के इन घोड़ों से।
शक्ति ही जीवन का सच है, कमजोरी बस एक मृत्यु है,
वीर वही जो अडिग खड़ा, चाहे सम्मुख काल-नृत्य है।

₹मनुष्य-निर्माण₹ ही लक्ष्य रहे, वह शिक्षा असली कहलाती,
जो दीन-दुखी के आँसू पोंछे, वह भक्ति सच्ची कहलाती।
लोहे की हों मांसपेशियाँ, फौलादी जिनका सीना हो,
विवेकानंद के सपनों का, भारत ऐसा नगीना हो।

रेवाड़ी की पावन माटी से, हम यह संकल्प दोहराते हैं,
'विज़न 2026' के पथ पर, हम बढ़ते ही जाते हैं।
हाथों में विज्ञान रहे, और मन में संचित संस्कार रहें,
हम विवेकानंद के अनुयायी, राष्ट्र-प्रेम के आधार रहें।

लघुकथा
डॉ. तबस्सुम जहां

आत्मा का अंश

शिष्यः गुरुजी, आत्मा क्या है?गुरुजीः वत्स, आत्मा एक ऊर्जा है, जो चिरकाल से ब्रह्मांड में विचरण करती है — जैसे असंख्य तारे, ग्रह और धूमकेतु।

शिष्यः और गुरुजी, आत्मिक जुड़ाव क्या होता है?

गुरुजीः जब हमारी आत्मा का कोई अंश एक जन्म से दूसरे जन्म तक किसी को पाने को व्याकुल हो उठता है, जब किसी अनजाने से बिना मिले ही गहरा जुड़ाव महसूस होता है — तब समझना चाहिए कि आत्मा का वह अंश अपने दूसरे हिस्से से मिलने को आतुर है। वह मिलकर पूर्णता की ओर बढ़ना चाहता है।

शिष्यः परंतु गुरुदेव, आत्मा के वे दो हिस्से, दो व्यक्ति, कैसे मिलेंगे?

गुरुजीः वत्स, नियति चाहे जितनी राहें मोड़े, आत्माएँ अपने हिस्सों को ढूंढ ही लेती हैं। जो होना है, वह होकर ही रहता है।

शिष्यः क्या यह ज़रूरी है कि दोनों में प्रेम भी हो? जबकि मिलन से पहले उनके जीवन के मार्ग अलग-अलग हो चुके हैं?

गुरुजीः यही तो नियति की लीला है वत्स। आत्मा जिसे चुनती है, उससे वह प्रेम मांगती नहीं , बस देती है। यह प्रेम देह या मन का नहीं होता, यह निस्वार्थ होता है। आत्मा न किसी शर्त को जानती है, न किसी बंधन को मानती है।

शिष्यः और यदि दूसरा व्यक्ति उस प्रेम को न समझे?

गुरुजीः समझेगा वत्स... समय आने पर अवश्य समझेगा। प्रारंभ में वह भ्रमित रहेगा, दूर भागेगा, कड़वे वचन कहेगा, तिरस्कार करेगा। किंतु जब सब शांत होगा, वह अपने भीतर झांकेगा — तब उसे यह ज्ञात होगा कि जिस प्रेम को वह ठुकरा रहा था, वह कोई साधारण आकर्षण नहीं था... वह उसकी ही आत्मा का एक विलग अंश था।

शिष्यः तब क्या होगा गुरुदेव?

गुरुजी (मुस्कुराते हुए): तब... वह मौन में प्रार्थना करेगा कि वह प्रेम फिर लौट आए। पर तब तक वह प्रेम किसी दूसरी ऊँचाई पर पहुँच चुका होगा। जहाँ से लौटना संभव नहीं होगा। क्योंकि आत्मा का वह अंश अपना कर्तव्य पूरा कर चुका होगा — निःस्वार्थ प्रेम देकर... किसी अपेक्षा के बिना।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहां के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है।

मंथन
डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणवी साहित्य में शोध की नितांत आवश्यकता

हरियाणवी साहित्य' हरियाणा की उज्ज्वल सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा की नींव है। सरस्वती से पोषित हरियाणा की धरती साहित्यिक दृष्टि से बहुत उपजाऊ रही है। इसे वेद, पुराण, गीता, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना-स्थली होने का गौरव प्राप्त है। आधुनिक साहित्यिक परंपरा का आरंभ हर्षवर्धनकाल से माना जाता है।

इस काल में अनेक ब्राह्मण ग्रंथ एवं वेदों के स्पष्टीकरण हेतु धर्मसूत्र, उपनिषद्, मनुस्मृति, महाभारत आदि की रचना की गई। इसके अतिरिक्त अनेक काव्य धाराएं यथा जैन काव्यधारा, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, वैष्णव भक्ति काव्यधारा आदि प्रवाहित हुई। विशाल 'हरियाणवी साहित्य' में जो साहित्य 'हरियाणवी' में लिखा गया, उसने हरियाणा को विशेष पहचान दी है।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहाँ के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद, हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं। नाथ-सिद्ध परंपरा से लेकर सूफी संतों की वाणियों तक और पंडित लखमीचंद के सांगों से लेकर आधुनिक कविता तक, इसका विस्तार बहुत बड़ा है, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हरियाणवी साहित्य का हिस्सा न के बराबर है। जो थोड़ा बहुत साहित्य उपलब्ध है, वह या तो मौखिक परंपरा में है या फिर पुरानी, जीर्ण-शीर्ण पांडुलिपियों में बंद है।

'श्रुति परंपरा' पर आधारित है साहित्य का बड़ा हिस्सा

हरियाणवी साहित्य का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है। हमारे बुजुर्गों के पास लोकगीतों, किस्सों, मुहावरों और कहानियों का खजाना है। जैसे-जैसे पुरानी पीढ़ी जा रही है, यह खजाना भी लुप्त होता जा रहा है। शोध के माध्यम से इन मौखिक रचनाओं को लिपिबद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह इतिहास हमेशा के लिए मिट जाएगा। हम पं. लखमीचंद, बाजे भगत या पं. मांगेराम जैसे बड़े रचनाकारों को तो जानते हैं, लेकिन हरियाणा के गांवों में ऐसे सैकड़ों कवि और रचनाकार हुए हैं जिनकी

रचनाएं अद्भुत हैं, लेकिन उन्हें कोई नहीं जानता। इसलिए अब आवश्यक है कि गांवों की खाक छानकर ऐसे गुमनाम रचनाकारों को खोजा जाए और उन्हें साहित्य के पटल पर स्थापित किया जाए।

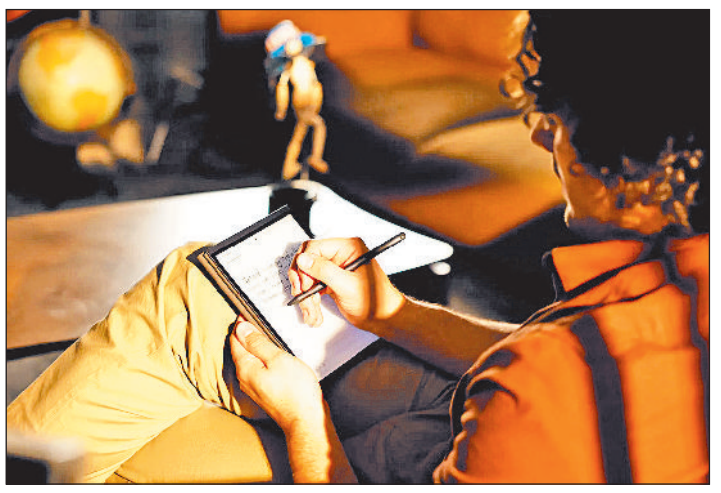

अतीत में इस दिशा में दिवंगत देवी शंकर प्रभाकर, शसाधुराम शारदा, प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल रघुवीर मथाना, प्रोफेसर बाबूराम, डॉ. रामफल चहल, डॉ. राजेंद्र वत्स द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में हरियाणवी साहित्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। हरियाणवी भाषा एवं लिपि के क्षेत्र में डॉक्टर जगदेव सिंह द्वारा ठोस कार्य किया गया है। आवश्यकता है इस लग्न एवं प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

ठोस कदम उठाने होंगे

शोध की दिशा में सकारात्मक बदलाव के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। पुरानी पांडुलिपियों और ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। एम.ए. और पीएच.डी. करने वाले छात्रों को हरियाणवी साहित्य पर शोध करने के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए। ऐसे प्रोजेक्ट्स शुरू करने चाहिए जिनमें शोधकर्ता गांवों में जाकर लोक साहित्य इकट्ठा करें। यह केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि यह हरियाणवी अस्मिता और संस्कृति को बचाने का सवाल है। जब हम अपनी भाषा और साहित्य पर शोध करेंगे, तभी हम दुनिया को बता पाएंगे कि हरियाणवी केवल 'लठ्ठमार' बोली नहीं है, बल्कि इसमें जीवन का गहरा दर्शन, प्रेम और करुणा भी समाहित है।

हरियाणवी भाषा बांगरू, देशवाली, अहीरवाटी, कौरवी आदि के नाम से हर 20-30 किलोमीटर पर बदल जाती है। शोध की कमी के कारण इसका कोई एक मानक सर्वमान्य रूप विकसित नहीं हो पाया है। जब तक भाषा के व्याकरण और शब्दकोश पर गहरा शोध नहीं होगा, तब तक इसे शिक्षा के माध्यम के रूप में या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने का दावा मजबूत नहीं हो पाएगा। हरियाणवी सांगों और रागनियों में उस समय की सामाजिक कुरीतियों, अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष, अकाल और खेती-किसानी के संघर्ष का वर्णन मिलता है।

शोध द्वारा हमें हरियाणा का एक ऐसा सामाजिक इतिहास मिलेगा जो किसी इतिहास की किताब में नहीं है। हरियाणवी अब केवल रागनियों तक सीमित नहीं है। आज अनेक कवि हरियाणवी में गजलें, दोहे, मुक्तक, नाटक और उपन्यास लिख रहे हैं।

अध्यात्म एवं यथार्थ का संगम है 'जब तक तुम ना आओगे'

पुस्तकः जब तक तुम ना आओगे
लेखिकाः सविता गर्ग
मूल्यः 210 रुपये
प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा
डॉ. विजेंद्र कुमार

कवयित्री सविता गर्ग से मेरा परिचय काफी पुराना है। उसने अपनी पहली काव्य कृति 'मैं मीरा सी' मुझे भेंट की थी। जब तक तुम ना आओगे उनका चौथा काव्य संग्रह है। इस काव्य संग्रह में उनकी 97 कविताएं संकलित हैं। इन कविताओं में कवयित्री का मन प्रेम, भक्ति, देश प्रेम ,अध्यात्म, विरह तथा समकालीन यथार्थ के विभिन्न आयामों की यात्रा करता प्रतीत होता है। यह सभी कविताएं उनकी रचनाशीलता के बहुआयामी व व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं। श्री कृष्ण को समर्पित कुछ कविताएं उनकी आध्यात्मिक चेतना के उज्ज्वल स्वरूप को आलोकित करती हैं। कवयित्री ने यह संग्रह भगवान श्री कृष्ण को ही समर्पित किया है। सविता अपनी अनुभूति को व्यक्तिगत परिधि से निकालकर सार्वभौमिक करने में सफल रही हैं। नारी पीड़ा की वेदना उनकी इन कविताओं में दृष्टव्य है - सिया सती राधा रुक्मण सारे रूपों से गुजरी हूं मोहन की जोगन बन घूमी में मीरा वही दीवानी हूं। इसी प्रकार मैं सदियों पुरानी हो गई हूं कविता में वह कहती हैं : परियों की कहानी हो गई हूं, शिलाओं पर लिखी निशानी हो गई हूं। 'जीवन उत्सव है' कविता का संदेश अनुकरणीय है, मानवता हो धर्म सभी का, सब उस रब के बंदे नेक भाव हो नेक हो नीयत नेक हो सब धंधे निर्बल का बल बन जाए जीवन उत्सव है। शहीदों को समर्पित कविता में वह कहती हैं -भारत मां के वीर सिपाही हंस फांसी पर झूल गए, हाय दुर्भाग्य हमारा, हम उनको ही भूल गए। देश की सीमाओं पर बलिदान शहीद के लिए लिखा उनका एक गीत बहुत मार्मिक बन पड़ा है। इस गीत से उन्हें मंचों पर विशेष ख्याति भी मिली है : प्राण तन में नहीं आंखें पथराई हैं उसके बिना घर की खुशियां मुरझाई हैं, रोता रहता है उसका पिता डाकिए उसकी आई क्या चिट्ठी बता डाकिए। नए साल की शुभकामनाएं देती कवयित्री कहती है- मानव धर्म सभी अपनाए जात-पात आड़े ना आए दिल में ज्ञान की जोत जलाएं दुख के बादल सब छट जाएं नए साल की भोर में। सविता गर्ग के मधुर कंठी गीतों की महक अनेक काव्य मंचों की शोभा बनती है। उनकी रचना धर्मिता में अपार संभावनाएं भी हैं। आलोच्य काव्य संग्रह का प्रकाशन एवं प्रस्तुतिकरण दोनों ही उत्कृष्ट कोटि के हैं।

विडंबना : अप्रूव्ड अनअप्रूव्ड के बीच झूल रही चिंकारा रेस्ट हाउस कॉलोनी

खास बातें
- सुविधाओं का टोटा, रेवाड़ी रोड पर बनी चिंकारा रेस्ट हाउस के साथ वाली कॉलोनी में बिजली पानी नहीं दे रहे विभाग
- नप ने डाल दी सीवर लाइन, अब सड़क बनाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर के रेवाड़ी रोड पर बने मोहल्ला कैलाश नगर में चिंकारा रेस्ट हाउस की समीप बसी कॉलोनी प्रशासनिक अधिकारियों की मनमानी के कारण विचित्र विडंबना की शिकार हो रही है। एकतरफ जहां पब्लिक हेल्थ एवं बिजली निगम इस कॉलोनी को अवैध बताकर यहां बिजली–पानी कनेक्शन के लिए लाइन देने को तैयार नहीं है, वहीं नगर परिषद उसी कॉलोनी में सीवर लाइन डाल चुकी है और अब पक्की सीसी सड़क बनाने को तैयार है। इससे यहां रहने वाले लोगों को भी अजीब कसमकस से गुजरना पड़ रहा है। गौर हो कि रेवाड़ी रोड पर वन विभाग का चिंकारा रेस्ट हाउस बना हुआ है। इस रेस्ट हाउस के आसपास 100 से भी ज्यादा घरों की कॉलोनी बसी हुई है, लेकिन कमाल की बात है कि मुख्य सड़क मार्ग के साथ–साथ बसी कॉलोनी के लोगों ने पानी की मुख्य लाइन से नल कनेक्शन ले रखे हैं और बिजली के पोल एवं लाइन भी खड़ी हुई है, लेकिन जैसे ही इस कॉलोनी में ही थोड़ा आगे सूबेदार बलबीर सिंह यादव के मकान की तरफ बढ़ते हैं तो वहां से आगे का रास्ता न केवल कच्चा है, बल्कि इससे आगे बने करीब 60–70 मकान की बस्ती में न बिजली है और न पानी की सुविधा है। यहां के लोग भी पुराने समय से रहे हैं। ठेकेदार सुरेंद्र सैनी एवं उनके चाचा किशोरीलाल सैनी का परिवार यहां पांच दशक से भी ज्यादा समय से रह रहा है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर यहां रहने वाले लोगों को अब तक कुछ नहीं मिल पाया है। यहां के रास्ते न केवल कच्चे हैं, बल्कि बिजली एवं पानी जैसी मूलभूत सुविधा तक उपलब्ध नहीं है।

नारनौल। सड़क बनाने के लिए जेसीबी से साफ किया गया रास्ता। फोटो : हरिभूमि

अब पक्की सड़क की तैयारी

कमाल की बात यह है कि नगर परिषद इसी अवैध कॉलोनी में अब पक्की सड़क बनाने को तैयार है। नगर परिषद यहां के करीब 2 फुट चौड़े रास्ते को सीसी सीमेंट वाली सड़क बनाकर पक्का करेगी। इस 25 फुट चौड़े मुख्य मार्ग ही नहीं, कुछ गलियों को भी पक्का किया जाएगा।

वर्षों से झेल रहे दिक्कत

यहां रह रहे रामौतार सैनी, कैलाश चंद सैनी, सुभाष चंद, अनीता, पूजा, मास्टर सतबीर सिंह यादव एवं डा. मोनू शर्मा आदि ने बताया कि वह यहां पर पक्के मकान बनाकर वर्षों से रहे हैं तथा बिजली एवं पानी की समस्या हल करने के लिए अधिकारियों से भी मिले हैं। उन्होंने बताया जनस्वास्थ्य विभाग एवं बिजली निगम अधिकारियों को ज्ञापन भी दिए गए, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इन दोनों विभागों के अधिकारियों से मिले, तब उनका कहना था कि यह कॉलोनी अन–अप्रूव्ड है। इस कारण यहां लाइन नहीं दे सकते। यदि लाइन देंगे तो हमारे ही खिलाफ केस दर्ज हो जाएगा, ऐसा सरकार ने नियम बना रखा है। पहले नगर परिषद से कॉलोनी अप्रूव्ड करवाओ। ऐसे में भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि इस कॉलोनी में पक्की सड़क एवं सीवर देने वाली नगर परिषद को सही मानें या फिर पब्लिक हेल्थ एवं बिजली निगम को।

नगर परिषद ने डाल रखी सीवर लाइन

यहां गौर करने वाली बात यह है कि एकतरफ जहां पब्लिक हेल्थ एवं बिजली निगम इस कॉलोनी को अवैध बताकर बिजली पानी देने से पल्ला झाड़ रहे हैं, वहीं अप्रूव्ड–अन अप्रूव्ड की मान्यता देने वाली खुद नगर परिषद ने यहां सभी गलियों में सीवर की बड़ी लाइन डाल रखी है। सीवर लाइन डाले करीब पांच साल हो गए तथा नगर परिषद अधिकारियों के खिलाफ अन अप्रूव्ड की एवज में कोई केस दर्ज नहीं किया हुआ है।

बिजली-पानी की सुविधा नहीं

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि नगर परिषद सही है या फिर बिजली निगम व पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट। क्योंकि नगर परिषद सीवर एवं सड़क जैसी सुविधाओं पर यहां लाखों रुपये खर्च कर रही है, वहीं उक्त दोनों विभाग अपनी मूलभूत सुविधाएं तक देने का तैयार नहीं। ऐसे में सही एवं गलत को लेकर लोग उलझन में उलझे हुए हैं। इन हालातों में जिला के प्रशासनिक अधिकारियों को आगे आकर इन लोगों को भी बिजली पानी उपलब्ध कराने की जरूरत है, ताकि इनकी मनमानी रूक सके और सरकार का हर बस्ती हर व्यक्ति तक मूलभूत सुविधा पहुंचाने का सपना साकार हो सके।

खबर संक्षेप

नारनौल। सलामपुरा में बोलेरो के पास खड़ी पुलिस गाड़ी।

ब्लैक फिल्म लगी बोलेरो गाड़ी इंपाउंड

नारनौल। पुलिस की ओर से यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डायल 112 टीम ने थाना शहर क्षेत्र में गश्त के दौरान एक ब्लैक फिल्म लगी बोलेरो गाड़ी को इंपाउंड किया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान टीम की नजर गाड़ी पर पड़ी। जिसके शीशों पर ब्लैक फिल्म लगी हुई थी। पुलिस ने चालक को रूकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसकी रफ्तार बढ़ा दी और वहां से भगा ले गया। डायल 112 के कर्मियों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए गाड़ी का पीछा किया और मौहल्ला सलामपुरा में कुछ ही दूरी पर उसे सफलतापूर्वक काबू कर लिया। पुलिस गाड़ी व चालक को पकड़कर थाना शहर ले आई। थाना में गाड़ी की गहनता से तलाशी ली गई, लेकिन जांच के दौरान गाड़ी से कोई नशीला या आपत्तिजनक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। चूंकि गाड़ी पर काली फिल्म लगी थी और चालक ने पुलिस के रोकने पर भागने का प्रयास किया था, इसलिए पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत गाड़ी को इंपाउंड कर दिया।

एक शाम सतनामियों के नाम में हुआ काव्य पाठ व व्याख्यान

सतनामियों के वंशजों ने नारनौल पहुंचकर किया मातृभूमि को नमन

- भक्ति, आस्था और सामाजिकता के रस से सरोबार हुए नारनौल के शासकों के वंशज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

15वीं सदी में कभी नारनौल के शासक रहे औरंगजेब को नाकों चने चबवाने वाले वीर सतनामियों के वंशजों ने नारनौल पहुंचकर न केवल अपनी मातृभूमि को नमन किया, बल्कि अपने पूर्वजों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

इस अवसर पर जय सतनाम के उद्घोष के साथ धाम में हवन, भंडारा व सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा व एडवोकेट गोविंद शर्मा ने बताया कि सतनामी वंशजों के सैकड़ों लोग प्रत्येक वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा व माघ माह की प्रतिपदा को समीपवर्ती गांव थाना पहुंचकर अपने कुल गुरु बाबा बीरभान की जयंती मनाते हैं। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी समाज के लोगों ने ऐतिहासिक भूमि पर पहुंचकर अपने पुरखों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

नारनौल। कार्यक्रम में सतनामियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

इस अवसर पर अखिल भारतीय सतनाम धर्म संस्था एवं प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के सौजन्य से एक शाम वीर सतनामियों के नाम कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जगजीवन खरे ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे सैकड़ों सतनामी समाज के लोगों ने प्रथम दिन समीपवर्ती गांव थाना पहुंचकर अपने कुल गुरु बाबा बीरभान की जयंती मनाई और भंडारे का आयोजन किया। अगले दिन यादव धर्मशाला में लोक संगीत कार्यक्रम और क्षेत्र की सामाजिक संस्थाओं का सम्मान समारोह व पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया।

संस्था के सदस्य संतोष भारती सतनामी व विद्याधर गावस्कर ने बताया कि सतनाम धर्म संस्था से जुड़े 200 से अधिक महिला पुरुषों ने पहुंचकर अपने पूर्वजों की भूमि को नमन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगजीवन खरे सतनामी, रूपकिशन साध सतनामी, राज महंत अनूप, राजेन्द्र सरपंच सतनाम, पृथ्वी सिंह बिजनौर, महंत खुमान दास जोशी, पंडित भारतेश कोशी, श्यामदास महंत, चेतन भंडारी, रेवा दास टंडन के साथ बिहार, झारखंड, छतीसगढ़, ओडिशा, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली व देश के अलग अलग हिस्सों से सतनामी समाज के लोग पहुंचे।

सांस्कृतिक कलाकारों ने बांधा समा

कभी नारनौल के शासक व शान रहे सतनामियों के समागम में शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। छत्तीसगढ़ के संबलपुर बालोद से पहुंचे प्रसिद्ध लोक कलाकार पंडित भरतेश जोशी व उनके पिता राज महंत खुमान दास जोशी और उनकी टीम ने उत्कृष्ट संस्कृतिक गीत, भजन प्रस्तुति के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सतनाम आरती विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

ये हैं सतनामी

डॉ. जगजीवन खरे ने बताया कि सतनामी समुदाय भारत का एक हिंदू संप्रदाय है। कबीर की शिक्षाओं से प्रेरित होकर 1657 में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर क्षेत्र में इसका संगठित स्वरूप सामने आया। हरियाणा के नारनौल में सतनामी विद्रोह की शुरूआत एक सतनामी व मुगल सैनिक अधिकारी के बीच विवाद को लेकर हुई। यह विवाद धीरे धीरे इतना बढ़ा कि सतनामियों ने मुगल सैनिकों को पराजित कर दिया। इतिहासकारों के अनुसार इस विद्रोह के दौरान लगभग 10 हजार सतनामियों ने मुगल सेना का सामना किया। यह संघर्ष भारत के इतिहास में नारनौल को विशेष पहचान दिलाने वाला माना जाता है। सतनामी समाज सत्य, समानता, सेवा व सामाजिक न्याय के मूल्यों में विश्वास रखता है और आज भी देशभर में सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

शैक्षिक संस्थानों में गतिविधियां

महेंद्रगढ़। सम्मलेन में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

राव सुल्तान स्कूल में पीटीएम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राव सुल्तान सिंह स्कूल निम्बहेड़ा में अभिभावक-अध्यापक मिलन समारोह आयोजित किया। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव, प्राचार्य राजकुमार शर्मा व प्राचार्य रामकुमार ने सभी अभिभावकों का स्वागत किया। एडवोकेट सतपाल यादव ने बताया कि समय के साथ बदलाव प्रकृति का नियम है। आज के समय में वहीं बच्चा सफल होता है, जिसके माता-पिता जागरूक होंगे। उन्होंने बताया कि आज के बच्चे किताबों से दूरी और मोबाइल से नजदीकी बढ़ाते जा रहे हैं। मेरा सभी अभिभावकों से आग्रह है कि वह यदि बच्चे का उज्जवल भविष्य चाहते हैं तो उन्हें मोबाइल से दूर रखें।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थी को सम्मनित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बीजेआरडी स्कूल में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

बीजेआरडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया। इस दौरान डायरेक्टर राजपाल यादव और चेयरपर्सन शीला यादव उपस्थित रहीं। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास और अभिभावकों की सहभागिता को बढ़ावा देना था। सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की गई, जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, परीक्षा परिणामों का विश्लेषण तथा भविष्य में सुधार के लिए योजना पर जोर दिया गया। सीईओ रमेश यादव ने विद्यालय के आगामी कार्यक्रमों और शिक्षण योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

शरबती स्कूल में स्कॉलरशिप टेस्ट

महेंद्रगढ़। शरबती पब्लिक स्कूल द्वारा रविवार को दो केंद्र गांव मालड़ा तथा नांगल सिरोही में स्कॉलरशिप टेस्ट आयोजित किया गया। इस टेस्ट में बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नांगल सिरोही केंद्र पर प्रिंसिपल विक्रम सिंह तथा बीएड प्रिंसिपल राजेश कुमार ने निरीक्षण किया। दोनों ने परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और सभी आवश्यक इंतजामों की सराहना की। वहीं मालड़ा केंद्र पर दीपक यादव ने निरीक्षण का दायित्व संभाला तथा पूरी व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया। उन्होंने परीक्षा को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस स्कॉलरशिप टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को फीस में विशेष छूट का लाभ मिलेगा। शरबती पब्लिक स्कूल क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और ऐसे आयोजन आगे भी जारी रहेंगे।

श्रीकृष्ण स्कूल में पीटीएम आयोजित

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में रविवार को पेरेंट्स टीचर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 1730 अभिभावकों ने अपने बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि अभिभावक व टीचर्स के आपस में विचार विमर्श का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि पीटीएम में जाने से अभिभावकों को अपने बच्चे की प्रगति की जानकारी मिलती है, जो उनके विकास के लिए बहुत जरूरी है। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने अध्यापकों को बच्चों के साथ समान व्यवहार रखने का सुझाव दिया, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास बना रहे। अभिभावकों ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि स्कूल बच्चों के शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों के प्रति पूर्ण रूप से कार्य कर रहा है, जिससे बच्चों को एक समृद्ध और संतुलित शिक्षा मिल रही है।

मॉडर्न स्कूल में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन आयोजित

महेंद्रगढ़। मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में कुल 245 अभिभावकों ने उपस्थित होकर अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन सतन सिंह व संचालन प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने किया। चेयरमैन सतन सिंह ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब विद्यालय और अभिभावक मिलकर एक टीम के रूप में कार्य करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने बताया कि अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन शिक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. दीपक सिंघल बने आईएमए के नए प्रधान

नारनौल। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की बैठक में नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया, जिसमें वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. दीपक सिंघल को आईएमए नारनौल का अध्यक्ष चुना गया। वहीं डॉ. सज्जन सिंह यादव को उपाध्यक्ष, डॉ. विदुषी शर्मा को सचिव तथा डॉ. लक्ष्मीनारायण को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक के दौरान वर्ष 2025 की प्रधान रही डॉ. अलका यादव ने विधिवत रूप से अपना कार्यभार नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को सौंपा। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके कार्यकाल की सराहना की और संगठन के लिए किए गए प्रयासों को उल्लेखनीय बताया। इस मौके पर नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. दीपक सिंघल ने कहा कि आईएमए नारनौल के सभी सदस्य सतत चिकित्सीय शिक्षा, आधुनिक तकनीकी ज्ञान और गुणवत्ता में सुधार के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि वह संगठन से जुड़े सभी चिकित्सकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईएमए से जुड़े सभी डॉक्टर अपने मरीजों की सेवा पूरे समर्पण, संवेदनशीलता और नैतिकता के साथ करते रहेंगे। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी।

स्वयंसेवकों ने चलाया सफाई अभियान

नारनौल। पीएम श्री सेठ मुरलीधर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निवाजनगर में इंचार्ज कप्तान सिंह के नेतृत्व में सात दिवसीय एनएसएस शिविर के आयोजन की शुरूआत मुकेश कुमार डीपीई ने प्रार्थना सभा, एनएसएस गीत व योगासन सिंह से करवाई। एनएसएस वालंटियर ने स्कूल प्रांगण में सफाई का कार्य किया। शिविर में रिसोर्सपर्सन सुरेश कुमार व डॉ. हंसराज गुर्जर डीपीई राज्यपाल अवार्डी ने नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण, सभ्य नागरिक निर्माण, कर्तव्य परायणता, कठोर परिश्रम, दूर दृष्टिता, ईमानदारी व बड़ों के प्रति आदर भाव के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। मंच संचालन दिनेश कुमार ने किया। इस मौके पर मुकेश कुमार वर्मा डीपीई, मधुबाला प्रवक्ता, कुमारी प्रियंका टीजीटी आर्ट, अलका सैनी, विनोद कुमार गोठवाल, महिपाल निखिल, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

हरियाणा स्कूल में दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में सीबीएसई की ओर से शिक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों से अवगत कराना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना रहा। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन रिसोर्सपर्सन पूजा मित्तल व विकास शर्मा ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व कल्याण विषय पर जानकारी साझा की। कार्यशाला के दूसरे दिन रिसोर्सपर्सन आदित्य प्रताप सिंह व विकास शर्मा ने बताया कि आज की शिक्षा प्रणाली में रटने के बजाय समझ आधारित, अनुभवात्मक शिक्षा व तकनीक के समुचित प्रयोग पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। प्राचार्य सुनील यादव ने कहा कि इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशालाएं शिक्षकों को नई सोच व नई दिशा प्रदान करती हैं। इस मौके पर संस्था के एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा, निदेशक पुष्करमल वर्मा व डीन मनोज भारद्वाज मौजूद रहे।

नारनौल। कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

धार्मिक रात्रि पौने 9 बजे होगा चंद्र दर्शन: ताराचंद जोशी

श्रद्धा और उल्लास पूर्वक 6 जनवरी को मनाई जाएगी तिल कुटनी चौथ

सुबह आठ बजे चतुर्थी तिथि प्रारंभ होगी और सात जनवरी को सुबह करीब 6:52 बजे तक रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना।

प्रति वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को सकट चौथ यानी तिल कुटनी चौथ का व्रत पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ किया जाता है। इसे संकट चतुर्थी, तिलकुटा चौथ के नाम से भी जाना जाता है। ताराचंद जोशी बुहाना ने बताया कि इस दिन विशेष रूप से महिलाएं उपवास रखती है और भगवान गणेश की विधिविधान से पूजा अर्चना करती हैं। मान्यता है कि यह व्रत संतान के सुखद, सुरक्षित व उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत फलदायी होता है।

धार्मिक विश्वास के मुताबिक सकट चौथ का व्रत करने से संतान के जीवन में आने वाली बाधाएं और संकट दूर होते हैं। इस दिन गणपति बप्पा की कृपा से घर परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। व्रत के दौरान चंद्र दर्शन का विशेष महत्व होता है। चंद्र देखने के बाद ही व्रत पूर्ण माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार 2026 में छह जनवरी मंगलवार को तिलकुट का व्रत मनाया जाएगा। इस दौरान रात्रि को 8.50 बजे चंद्रोदय होगा। उन्होंने बताया कि यह दिन भगवान गणेश की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना गया है। छह जनवरी को सुबह आठ बजे चतुर्थी तिथि प्रारंभ होगी और सात जनवरी को सुबह करीब 6:52 बजे तक रहेगी। यह व्रत और पूजा करने से संतान सुख, सौभाग्य और परिवार में सुख शांति बनी जाती है।

शुभ मुहूर्त व पूजा विधि

पंडित ताराचंद जोशी।

धार्मिक मान्यता है कि बिना चंद्र दर्शन के इस व्रत को पूर्ण नहीं माना जा सकता। पंचांग के अनुसार छह जनवरी को चंद्रमा का उदय रात लगभग पौने नौ बजे होगा। इस समय चंद्र देव को जल, दूध व अक्षत मिश्रित जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद ही व्रती महिलाएं उपवास खोलती हैं। चंद्रमा को चंद्रमा को अर्घ्य देने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और संतान को भविष्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सकट चौथ के दिन प्रातः काल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण कर महिलाएं व्रत का संकल्प लें। पूजा स्थान को साफ करें और चौकी पर भगवान श्रीगणेश के प्रतिमा को स्थापित करें। मोदक के लड्डू या तिल गुड़ से बने प्रसाद का भोग लगाएं। सकट चौथ की व्रत कथा का श्रवण करें।

खबर संक्षेप

विकास कार्यों को लेकर पार्षदों संग मंथन किया

बवानीखेड़ा। नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री ने कस्बे के वार्ड नंबर 1 से 16 तक दौरा कर आगामी विकास कार्यों एवं स्थानीय आवश्यकताओं को लेकर संबंधित पार्षदों एवं वार्डवासियों के साथ मंथन किया। इस दौरान सड़क, पेयजल, सफाई, स्ट्रीट लाइट सहित विभिन्न जनसमस्याओं पर चर्चा की। नपा चेयरमैन अत्री ने बताया कि कस्बे के रामबाग, गलियों, पानी की निकासी व्यवस्था तथा प्रमुख पार्क में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए जल्द ही विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।

पूर्व सैनिकों ने विधायक को किया सम्मानित

चरखी दादरी। पूर्व सैनिक स्वाभिमान संस्था बौंदकलां ब्लाक ने रविवार को बौंदकलां में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सुनील सांगवान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान विधायक ने पूर्व सैनिकों की समस्याओं को जाना और उनके द्वारा बौंदकलां में सीएसडी कैंटीन खुलवाने की डिमांड पर जल्द ही केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ से मिलकर समाधान करवाने का आश्वासन दिया। विधायक सुनील सांगवान ने शहीद समारक व कार्यालय परिसर का अवलोकन किया।

प्रो रेसलिंग लीग में सुजीत दिखाएगा दम

चरखी दादरी। अपने खेल व कौशल के जरिए क्षेत्र व जिले के नाम को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक रोशन करने वाले गांव इमलोटा के युवा पहलवान सुजीत कलकल अब जल्द ही देश की प्रसिद्ध स्पर्धा प्रो रेसलिंग लीग में अपना जलवा बिखेरेंगे। जिला कुश्ती संघ के सचिव योगेश इमलोटा ने बताया कि आगामी 15 जनवरी से यह प्रतियोगिता नोएडा में खेली जाएगी। इस बड़ी स्पर्धा में सुजीत दिल्ली दंगल वारियस की तरफ से अपना खेल दिखाएगा। हाल ही में आयोजकों द्वारा पूरी लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में सुजीत को खरीदा गया, उसे देखकर पूरा जिला यहीं उम्मीद कर रहा है कि वो इस लीग में भी अपने भारवर्ग के अनुसार विजेता बनकर उभरेगा व युवा पहलवान उससे प्रेरणा लेंगे।

स्ट्रीट डॉग्स को शेल्टर होम में भेजने के फैसले का विरोध

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ सड़कों पर उतरे गोरक्षक, रोष प्रदर्शन किया

रोहतक गेट क्षेत्र में रोष प्रदर्शन करते गौरक्षक

- देशभर में ऐसे शेल्टर होम नहीं, जहां लाखों की संख्या में कुत्तों को रखा जा सके : संजय
- सुप्रीम कोर्ट के व्यावहारिक आदेशों से बेजुबानों के जीवन पर खड़ा होगा संकट : परमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों (स्ट्रीट डॉग्स) को हटाकर शेल्टर होम में भेजने के हालिया आदेशों के खिलाफ भिवानी में विरोध के स्वर मुखर हो गए हैं। रविवार को गौरक्षा दल के बैनर तले बड़ी संख्या में गौरक्षक रोहतक गेट पर एकत्रित हुए और फैसले के विरोध में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने किया। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि ये आदेश व्यावहारिक नहीं, इससे बेजुबान जानवरों के जीवन पर संकट खड़ा हो जाएगा। गौरक्षकों ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि फैसले पर पुनर्विचार किया जाए और इसे वापस लिया जाए। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने बुनियादी सुविधाओं के अभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आदेश तो दे दिया कि स्ट्रीट डॉग्स को उठाकर शेल्टर में रखा जाए, लेकिन कड़वी सच्चाई ये है कि देशभर में अभी ऐसे शेल्टर होम ही नहीं हैं, जहां लाखों की संख्या में इन कुत्तों को रखा जा सके।

मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील

परमार ने कहा कि बिना पर्याप्त व्यवस्था, भोजन और देखरेख के इन कुत्तों को बंद करना उनके प्रति क्रूरता होगी। वहां उनका ध्यान रखने वाला कोई नहीं होगा, जिससे उनकी मौत निश्चित है। वर्तमान में नगर परिषदों और पालिकाओं के पास आवारा कुत्तों के लिए कोई व्यवस्थित बुनियादी ढांचा नहीं है। यही नहीं यदि किसी जगह पर कुत्तों को एक साथ बंद कर दिया गया तो उनके बीच आपसी संघर्ष और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाएगा। गौरक्षा दल ने स्पष्ट किया है कि उक्त फैसले पर रोक नहीं लगाई या वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार नहीं किया तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे। प्रदर्शन के अंत में गौरक्षकों ने प्रशासन के माध्यम से मांगपत्र भी भेजा, जिसमें पशु कल्याण की दिशा में अधिक मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की गई। विरोध प्रदर्शन में गौरक्षक अमन पांडे, कुकी परमार, गोलू, हेमंत सोनी, आकाश भाटी, शुभम चहल, भगतसिंह ग्रुप से मोनू चौधरी व शिवा कोटा सहित अनेक गौरक्षक मौजूद रहे।

भिवानी। सांस्कृतिक सदन में सावित्रीबाई फूले को नमन करती अतिथि।

प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फूले को किया नमन, श्रद्धांजलि दी

- समाज की प्रगति के लिए बेटियों की पढ़ाई पर ध्यान देना आवश्यक : रेणुबाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सैनी कल्याण परिषद द्वारा सांस्कृतिक सदन में रविवार को आधुनिक भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और समाज सुधारक माता सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ सावित्रीबाई फुले के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित करके किया।

वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष और महिलाओं की शिक्षा में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सावित्रीबाई फुले के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला बार एसोसिएशन की उपाध्यक्ष एडवोकेट रेणुबाला ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। मंच संचालन कृष्णा सैनी रोहतक ने किया तथा अध्यक्षता सैनी कल्याण परिषद के प्रधान भूपसिंह सैनी ने की। कार्यक्रम मुख्य रूप से बेटियों की शिक्षा और उनके सशक्तिकरण को समर्पित रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रोहतक से पहुंची डॉ. पूजा सैनी ने सावित्रीबाई के प्रेरक जीवन का वृत्तांत सांझा किया। मात्र 9 वर्ष की आयु में विवाह होने के बाद भी सावित्रीबाई ने हार नहीं मानी। अपने पति ज्योतिराव फुले द्वारा दिखाए मार्ग पर चलते हुए उन्होंने स्वयं शिक्षा ग्रहण की।

ये रहे उपस्थित

जिला बार एसोसिएशन की उपाध्यक्ष रेणबाला सैनी ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए बेटों के साथ-साथ बेटियों की पढ़ाई पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है, ताकि महात्मा ज्योतिबा फूले व सावित्रीबाई फूले के शिक्षित समाज के स्वप्न को पूरा किया जा सकें। इस अवसर पर डॉ. पूजा सैनी रोहतक, डॉ. अंजू सैनी, डॉ. कमलेश, डॉ. जयसुधा, डॉ. मंजू सैनी, रजनी सैनी, आरती सैनी, कृष्णा सैनी, रेनू सैनी, पूजा वाईस चेयरपर्सन, सलोनी आदि वक्ताओं ने हिस्सा लिया।

स्क्रब फैक्ट्री में आगजनी के मामले में बुवानीवाला ने घटनास्थल का किया दौरा

पीड़ित उद्योगपति को आर्थिक सहायता देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

नववर्ष की पूर्व संध्या पर औद्योगिक क्षेत्र में प्लास्टिक के स्क्रब बनाने वाली फैक्ट्री में हुई भीषण आगजनी की घटना ने फैक्ट्री को पूरी तरह जलाकर राख कर दिया और उद्यमी के वर्षों की मेहनत, पूंजी और कार्यरत श्रमिकों के रोजगार पर भी गंभीर संकट खड़ा कर दिया, ये बात कांग्रेस उद्योग सैल के चेयरमैन अशोक बुवानीवाला ने औद्योगिक क्षेत्र का दौरा कर आगजनी से पूरी तरह नष्ट हुई फैक्ट्री का निरीक्षण कर पीड़ित फैक्ट्री मालिक से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए पीड़ित उद्योगपति को ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि कठिन समय में वो उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। बुवानीवाला ने फैक्ट्री परिसर में पहुंचकर जले हुए ढांचे, मशीनरी, कच्चे माल और तैयार माल की स्थिति का जायजा लिया। चारों ओर फैली राख, जले हुए उपकरण और धुएं की गंध आगजनी की भयावह को गवाही दे रही थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले को सरकार और संबंधित विभागों के समक्ष पूरी मजबूती से उठाया जाएगा, ताकि पीड़ित को जल्द से जल्द उचित मुआवजा मिल सके और फैक्ट्री को पुनः स्थापित करने में सभी जरूरी सहायता उपलब्ध करवाई जा सके।

भिवानी। आग की घटना के बाद मौका मुआयना करते अशोक बुवानीवाला।

घटना को गंभीरता से लें

बुवानीवाला ने कहा कि आगजनी की घटना में फैक्ट्री मालिक को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। मशीनरी, कच्चा माल, तैयार माल और भवन सबकुछ नष्ट हो चुका है, ऐसे में केवल बीमा के भरोसे उद्योगपति को छोड़ देना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह इस घटना को गंभीरता से लेते हुए विशेष राहत पैकेज घोषित करें और पीड़ित उद्योग को उचित एवं शीघ्र मुआवजा प्रदान करें।

गांव तालु में शिविर में 125 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

भिवानी। सनफ्लैग मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने रविवार को तालु गांव के सहयोग से गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। शिविर में विशेषज्ञों की टीम ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की बारीकी से जांच की और उन्हें आवश्यक परामर्श व दवाइयां प्रदान की। शिविर के संयोजक जसवंत तालु की देखरेख में कैंप में अस्पताल के अनुभवी चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में डॉ. उमाकांत, डॉ. साक्षी मल्होत्रा, डॉ. गौरव के अलावा स्टाफ सदस्य पूनम, शशि, कृष्ण, दिनेश व सोमबीर सहित पैरामेडिकल स्टाफ ने सर्जरी, मेडिसिन, गायनी और ऑर्थो से संबंधित 125 मरीजों की जांच की। शिविर के दौरान मरीजों के ब्लड शुगर, बीपी और अन्य आवश्यक रक्त जांचें निःशुल्क की गईं तथा जरूरतमंदों को दवाइयां भी मुफ्त वितरित की। हॉस्पिटल के प्रशासक डॉ. राजकुमार तंवर व डॉ. दिनेश सनसनवाल ने कहा कि अस्पताल का लक्ष्य केवल शहर तक सीमित रहना नहीं है।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा के जन्मदिन पर मनाया कांग्रेसियों ने जश्न, दीर्घायु की कामना

जिलाध्यक्ष गुलिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केक काटा

- हरियाणा का युवा सांसद दीपेंद्र हुड्डा में देखता है प्रदेश का स्वर्णिम भविष्य : जोगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रोहतक से सांसद एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्मदिन बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान दिल्ली निवास पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा के निवास पर केक खिलाकर उनका जन्मदिन मनाया। कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप जोगी गुलिया के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए और केक काटकर जनप्रिय नेता की लंबी उम्र की कामना की। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने दीपेंद्र हुड्डा जिंदाबाद के नारों के साथ आसमान गुंजायमान कर दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुलिया ने केक काटकर उपस्थित लोगों का मुंह मीठा करवाया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे सांसद दीपेंद्र हुड्डा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के हाथ मजबूत करने के लिए जन-जन तक कांग्रेस की नीतियों को पहुंचाएंगे।

भिवानी। सांसद दीपेंद्र हुड्डा को बधाई देते कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी।

प्रदेश की बुलंद आवाज हैं दीपेंद्र हुड्डा

उन्होंने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा न केवल एक सांसद हैं, बल्कि हरियाणा के युवाओं की उम्मीद और प्रदेश की बुलंद आवाज हैं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा की कार्यप्रणाली सादगी, संजीदगी और समर्पण का मेल है। संसद से लेकर सड़क तक उन्होंने हमेशा आम आदमी, किसान और युवाओं के हितों की लड़ाई लड़ी है। हरियाणा का युवा दीपेंद्र हुड्डा में अपना भविष्य देख रहा है।

पूजा का राष्ट्रीय हैंडबॉल टीम में चयन

भिवानी। भिवानी जिले के गांव खरक की प्रतिभावान खिलाड़ी पूजा का चयन 69वें स्कूल नेशनल गेम्स के लिए हरियाणा की अंडर-14 बालिका हैंडबॉल टीम में हुआ है। पूजा की उपलब्धि से न केवल उनके गांव, बल्कि पूरे जिले के खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। हैंडबॉल कोच विवेक खरकिया ने बताया कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 69वें स्कूल नेशनल गेम्स राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में 5 से 10 जनवरी तक आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता में देशभर की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेंगी, जहां पूजा हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी। पूजा का चयन हाल ही में हिसार जिले के लाडवा गांव में आयोजित विशेष प्रशिक्षण कैंप में हुआ। कैंप में प्रदेशभर से आई सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बारीकी से परखा।

कैबिनेट मंत्री के आवास पर 17-18 को होगा महापड़ाव

भवन निर्माण कामगार यूनियन की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

प्रदेश सरकार फर्जीवाड़े की आड में मजदूरों का हक छिन्ने का काम कर रही है, ये किसी भी सुरत में बर्दास्त नहीं होगा। मजदूरों को उनका हक मिलना चाहिए, जिसको लेकर महापड़ाव या आंदोलन होगा, ये बात भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू नेता सुमेर सिंह व रोशनलाल धारणी ने गांव गोपी व जीतपूरा सहित दर्जनभर गांवों में निर्माण मजदूरों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 17 व 18 जनवरी को भिवानी में कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के आवास पर हजारों निर्माण मजदूरों का विशाल महापड़ाव होगा और मजदूर एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

श्रममंत्री अनिल विज का ये बयान कि 90 दिनों की वेरिफिकेशन में फर्जीवाड़ा हुआ, सरासर झूठ और मजदूरों के साथ क्रूर मजाक है, यह अज्ञानता नहीं, बल्कि मजदूरों को कुचलने की सुनियोजित साजिश है। भाजपा सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए कैंप लगाकर लाखों मजदूरों का पंजीकरण किया।

कांग्रेस सेवादल ने चलाया सदस्यता अभियान

जल्द गठित होगी कांग्रेस सेवादल की ब्लॉक कार्यकारिणी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हांसी गेट स्थित रेस्तरां में जिला कांग्रेस सेवा दल की कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजेन्द्र सिवाच ने की। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष लालजी देसाई व राज्य कांग्रेस सेवादल हरियाणा की प्रधान डॉ. पूनम चौहान के निर्देशानुसार ऑनलाइन सेवादल सदस्यता अभियान की शुरूआत की गई। सबसे पहले जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिवाच ने पांच हजार रूपये की लाइफ टाइम सदस्यता ग्रहण की। इसके बाद सभी ब्लॉक प्रधानों ने एक हजार रुपये की सक्रिय ऑनलाइन सदस्यता ग्रहण की। बैठक के दौरान ये फैसला लिया कि सभी जिलों के प्रत्येक पदाधिकारी 100 प्राथमिक सदस्य बनाएंगे, जिनका सदस्यता शुल्क 100 रुपये होगा। जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष विजेन्द्र सिवाच ने सभी ब्लॉक प्रधानों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अंदर-अंदर अपनी ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन करें। सेवादल सदस्यता अभियान को एक महीने के अंदर पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

भिवानी। कांग्रेस सेवादल की जिला कार्यकारिणी बैठक में मौजूद कार्यकर्ता।

उपायुक्त कार्यालय के सामने 9 को होने वाला ट्रैक्टर मार्च स्थगित

लोहारू। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले उपमंडल कार्यालय पर चल रहा अनिश्चितकालीन महापड़ाव के 173 वें दिन भी जारी रहा। किसान नेता जयसिंह गिगनाऊ ने बताया कि चंडीगढ़ में संयुक्त किसान मोर्चा की सरकार के साथ होने वाली बैठक के चलते नौ जनवरी को उपायुक्त कार्यालय पर संयुक्त किसान मोर्चे का ट्रैक्टर मार्च आगामी घोषणा तक स्थगित कर दिया है, लेकिन लोहारू में किसानों का महापड़ाव जारी रहेगा। किसान सभा के नेता कर्णसिंह जैनावास व मीरसिंह ओबरा ने संयुक्त रूप से बयान में बताया कि जलभराव से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए बुवानीखेड़ा, तोशाम और भिवानी तहसीलों के किसान अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले उपायुक्त कार्यालय भिवानी पर ट्रैक्टर मार्च करेंगे। धरने की अध्यक्षता धर्मपाल बारवास, शेरसिंह झांझड़ा, ईश्वर कोंट, देवीदयाल पहाड़ी अजीत गोपालवास ने की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

राष्ट्रपति व उनकी पत्नी को घर से उठाने की घटना निंदनीय: ओमप्रकाश

वेनेजुएला पर हमले के विरोध में ट्रंप का फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कमेटी ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला करने एवं वहां के राष्ट्रपति एवं उनकी पत्नी को जबरदस्ती उठाकर ले जाने की कड़े शब्दों में निंदा की और शांति प्रिय देशों एवं संयुक्त राष्ट्र संघ से उन्हें तुरंत प्रभाव से रिहा करने की मांग की। माकपा नेताओं ने कहा कि वेनेजुएला एक स्वतंत्र एवं संप्रभु देश हैं और अमेरिकी सेना द्वारा उसपर एक तरफ हमला करने व वहां की स्वतंत्र जनता द्वारा चुने हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उसकी पत्नी को शनिवार रात को उनके बैडरूम से अमेरिकी सैनिकों द्वारा जबरदस्ती घसीटकर उठाने की घटना अशोभनीय एवं निंदनीय हैं। रविवार को माकपा ने भिवानी में रोष प्रदर्शन कर विरोध स्वरूप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंका। माकपा के जिला कमेटी सचिव कामरेड ओमप्रकाश व जिला सचिव मंडल सदस्य कामरेड अनिल ने कहा कि पार्टी ने सभी शांति प्रिय देशों व संयुक्त राष्ट्र संघ से अपील की है कि तुरंत अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर हमला बंद करवाए तथा वेनेजुएला के राष्ट्रपति व उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करवाया जाए। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता पार्टी जिला कमेटी सदस्य संतोष देशवाल ने की।

भिवानी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंकते माकपा नेता एवं कार्यकर्ता।

विरोध प्रदर्शन में ये रहे शामिल :

कार्यक्रम में पार्टी सचिव मंडल सदस्य कामरेड अनिल कुमार, जिला कमेटी सदस्य रामफल देशवाल, संतोष देशवाल, पार्टी एरिया कमेटी सदस्य सज्जन कुमार सिंगला, चन्द्रभान नाहलिया, अरविंद भारद्वाज, नरेश शर्मा, अभिषेक शर्मा, अनुराग, महेन्द्र तंवर, रामचन्द्र सैनी, भीमसिंह नवा, महाबीर फौजी, प्रतापसिंह सिंहमार, ओमप्रकाश दलाल, शकुंतला, ममता, रामचन्द्र मैनेजर, अनिल पालुवास, आदि शामिल रहे।